प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संस्कृत विभाग के अंतर्गत संचलित डिप्लोमा पाठ्यक्रम

एकवर्षीय पाठ्यक्रम : ज्योतिष में डिप्लोमा (Diploma in Jyotisha)

(Session- 2024-25 Onwards)

अर्हता – इण्टरमीडिएट उतीर्ण

प्रस्तावना -

ज्योतिष को वेदपुरुष का चक्षु कहा गया है। यह भारतीय कालविधानशास्त्र है। यह ब्रह्माण्डीय भूगोल का उद्भावक है। इन्हीं विचारधाराओं से मनुष्य एवं प्रकृति को सुरक्षित रखने के लिये वर्तमान में वैदिक ज्ञान एवं श्रौत साहित्य में वर्णित संस्कार अति प्रासङ्गिक परिलक्षित हो रहे हैं। यूनेस्को के समक्ष वैदिक वाङ्मय की सार्वकालिक महत्ता को महामनीषियों ने अत्यन्त उन्मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की है। सम्पूर्ण विश्व के मानव-जाति के कल्याण के लिये वैदिक वाङ्मय में प्रतिपादित अनन्त ज्ञानराशि को आनेवाली पीढ़ियों के लिये सुरक्षित रखना आवश्यक है। चूँकि इस प्रकार का ज्ञान सम्पूर्ण मानव जाति के लिये दुर्लभ है। अस्तु ! आगामी पीढ़ी को वैदिक वाङ्मय से परिचित कराना अपरिहार्य है है जिससे सर्जना शक्ति सशक्त हो सकेगी। वैदिक वाङ्मय को अन्ताराष्ट्रिय धरोहर के रूप में सुरक्षित किया गया है। 2008 में उक्त संस्था ने Global Heritage का उद्घोष कर इस बात पर बल दिया कि इस ज्ञान व संस्कार से मानव-समाज एवं बालकों को संस्कारित करना बहुत आवश्यक है। आनेवाली पीढ़ियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उन्हें अपने ज्ञान और संस्कारों को अपनाकर तदनुसार आचरण करने के लिये एवं राष्ट्र, समाज, परिवेश को सुसभ्य, सुसंस्कृतनिष्ठ, निःश्रेयस् प्राप्ति हेतु प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, संस्कृत विभाग के माध्यम से एकवर्षीय प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम के सञ्चालन का निर्णय किया गया है। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से श्रौत एवं स्मार्त परम्परा, पूजन-पद्धति, जप-पाठ विधि, यज्ञ-विधि, प्रस्थानत्रयी (उपनिषद्, ब्रह्मसूत्र व श्रीमद्भगवद्गीता) तथा वेदान्तविद्या के सभी प्रस्थानों जैसे- अद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैतवाद, शुद्धाद्वैतवाद, द्वैताद्वैतवाद, द्वैतवाद, अचिन्त्यभेदाभेद, शक्तिविशिष्टाद्वैतवाद, शैवविशिष्टा-द्वैतवाद, अविभागाद्वैतवाद, स्वरूपाद्वैतवाद, भेदाभेदवाद के सारतम अंश का एवं षोडश संस्कारों के शास्त्रीय पद्धति के अनुसार अध्यापन कराना इस प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम का प्रकृष्ट ध्येय है। इस पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रमुख बिन्दु इस प्रकार हैं-

उद्देश्य -

- विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परम्परा के पारम्परिक ज्योतिषशास्त्र के सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे।
- मुहूर्त विषयक अनुष्ठान विधि को जानकर जीवन को नियमबद्ध एवं आचरणशील बनाने में समर्थ होंगे।
- भारतीय ज्योतिषशास्त्र के प्रामाणिक शास्त्रीय रूप से परिचित होकर उसकी व्यवहारिक उपयोगिता जानने योग्य बनेंगे।
- ज्योतिष का अभिज्ञान कर अनुष्ठान सम्पन्न कराने योग्य कुशल और पौरोहित्य कर्म विशारद बनेंगे।
- कुण्डली विज्ञान में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।
- आत्मनिर्भर भारत की सङ्कल्पना को साकार करने में सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनेंगे।

इस पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रमुख बिन्दु इस प्रकार हैं-

- यह पाठ्यक्रम एकवर्षीय होगा तथा सेमस्टर एवं क्रेडिट-ग्रेडिंग प्रणाली पर आधारित होगा।
- इस पाठ्यक्रम में कुल पाँच प्रश्नपत्र होंगे। जिनमें चार प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक (Theoretical) तथा पाँचवां प्रश्नपत्र प्रायोगिक (Practical) होगा।
- प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। जिसमें 25 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन एवं 75 अंकों का बाह्य मूल्यांकन होगा।
- आन्तरिक मूल्यांकन तीन सत्रों में होगा, जिसमें कम से कम दो टेस्ट में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

पाठ्यक्रम का स्वरूप

Course Code		Course Title	Credits	MM=100	
				CIE	ETE
A	B	C	D	E	F
		Semester I			
P010101T	**Core**	**प्रथम प्रश्नपत्र – ज्योतिष-शास्त्र का सामान्य परिचय** ईकाई 1 – ज्योतिषशास्त्र का उद्भव एवं विकास एवं आचार्य परम्परा ईकाई 2 – ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व एवं उपयोग ईकाई 3 – ज्योतिषशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थों का परिचय ईकाई 4 – वेदाङ्गों में ज्योतिषशास्त्र का महत्त्व ईकाई 5 – ज्योतिष का वैश्विक परिदृश्य **सहायक ग्रन्थ** ➢ ज्योतिष-चन्द्रिका, गंगाप्रसाद गुप्त वैदिक यन्त्रालय, अजमेर ➢ शीघ्रबोध, काशीनाथ, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ➢ ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकशन, नई दिल्ली ➢ मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीकृष्णदास प्रकाशन, वाराणसी ➢ ताजिकनीलकण्ठी, सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली ➢ लघु-पराशरी- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी ➢ मध्य पराशरी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी ➢ नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीताप्रेस गोरखपुर ➢ दुर्गार्चन पद्धति, शिवदत्त मिश्र शास्त्री, ज्योतिष प्रकाशन वाराणसी ➢ यज्ञ मन्त्र संग्रह, शारदा इण्टरप्राइजेज, वाराणसी ➢ पौरोहित्यकर्मप्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान	**5**	**25**	**75**
P010102T	**Core**	**द्वितीय प्रश्नपत्र – ज्योतिष-शास्त्र अभिज्ञान** ईकाई 1 – पञ्चाङ्ग परिचय एवं प्रायोगिक अभिज्ञान ईकाई 2 – कालमान का परिचय, कालमान की उपयोगिता एवं महत्त्व ईकाई 3 – कालमान का भेद, सूक्ष्मस्थूलकाल, नवविधकालमान एवं सावनदिन, चन्द्र एवं सौरमान, चतुर्विधकालमान ईकाई 4 – ग्रहों का स्वरूप एवं भिन्नता, ग्रहों की मूक त्रिकोणराशि ईकाई 5 – शुभग्रहों एवं पापग्रहों का अभिज्ञान, पूर्णचन्द्र एवं क्षीणचन्द्र **सहायक ग्रन्थ** ➢ ज्योतिष-चन्द्रिका, गंगाप्रसाद गुप्त वैदिक यन्त्रालय, अजमेर ➢ शीघ्रबोध, काशीनाथ, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ➢ ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकशन, नई दिल्ली ➢ मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीकृष्णदास प्रकाशन, वाराणसी ➢ ताजिकनीलकण्ठी, सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली ➢ लघु-पराशरी- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी ➢ मध्य पराशरी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी ➢ नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीताप्रेस गोरखपुर	**5**	**25**	**75**

		➢ दुर्गार्चन पद्धति, शिवदत्त मिश्र शास्त्री, ज्योतिष प्रकाशन वाराणसी ➢ यज्ञ मन्त्र संग्रह, शारदा इण्टरप्राइजेज, वाराणसी ➢ पौरोहित्यकर्मप्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान			
		Semester II			
P010201T	**Core**	**तृतीय प्रश्नपत्र – कुण्डली निर्माण एवं कुण्डली विचार** ईकाई 1 – नक्षत्रादिमेलापक परिचय, अष्टकूटपरिचय, वरण्यवश्यतारा एवं ग्रहमैत्रीविचार ईकाई 2 – गणविचार एवं नाड़ीविचार, माङ्गलिकविचार, भयात एवं भभोग, इष्टकाल ईकाई 3 – जन्मकुण्डली- द्वादश भाव विचार ईकाई 4 – अन्तर्दशा एवं महादशा ईकाई 5 – जन्मकुण्डली एवं चन्द्रकुण्डली विचार, फलादेश विचार **सहायक ग्रन्थ** ➢ ज्योतिष-चन्द्रिका, गंगाप्रसाद गुप्त वैदिक यन्त्रालय, अजमेर ➢ शीघ्रबोध, काशीनाथ, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ➢ ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकशन, नई दिल्ली ➢ मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीकृष्णदास प्रकाशन, वाराणसी ➢ ताजिकनीलकण्ठी, सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली ➢ लघु-पराशरी- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी ➢ मध्य पराशरी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी ➢ नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीताप्रेस गोरखपुर ➢ दुर्गार्चन पद्धति, शिवदत्त मिश्र शास्त्री, ज्योतिष प्रकाशन वाराणसी ➢ यज्ञ मन्त्र संग्रह, शारदा इण्टरप्राइजेज, वाराणसी ➢ पौरोहित्यकर्मप्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान	**5**	**25**	**75**
P010202T	**Core**	**चतुर्थ प्रश्नपत्र – मुहूर्त विचार** ईकाई 1 – काल परिचय, पञ्चाङ्गों में वर्णित मुहूर्त विचार ईकाई 2 – सौरमास एवं चान्द्रमास, नक्षत्रविचार ईकाई 3 – षोडश संस्कारों में मुहूर्त विचार, व्रतोपवास में मुहूर्त विचार ईकाई 4 – यात्रा, व्यापार, गृहारम्भादि में मुहूर्त विचार, भद्रा विचार ईकाई 5 – शुभाशुभमूहूर्त विचार **सहायक ग्रन्थ** ➢ ज्योतिष-चन्द्रिका, गंगाप्रसाद गुप्त वैदिक यन्त्रालय, अजमेर ➢ शीघ्रबोध, काशीनाथ, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ➢ ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकशन, नई दिल्ली ➢ मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीकृष्णदास प्रकाशन, वाराणसी ➢ ताजिकनीलकण्ठी, सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली ➢ लघु-पराशरी- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी ➢ मध्य पराशरी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी ➢ नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीताप्रेस गोरखपुर ➢ दुर्गार्चन पद्धति, शिवदत्त मिश्र शास्त्री, ज्योतिष प्रकाशन वाराणसी ➢ यज्ञ मन्त्र संग्रह, शारदा इण्टरप्राइजेज, वाराणसी	**5**	**25**	**75**

		➢ पौरोहित्यकर्मप्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान			
P010203R	**Core**	**Project Report and Presentation** **सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची** ➢ ज्योतिष-चन्द्रिका, गंगाप्रसाद गुप्त वैदिक यन्त्रालय, अजमेर ➢ शीघ्रबोध, काशीनाथ, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ➢ ज्योतिर्विज्ञानसन्दर्भसमालोचनिका, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रतिभा प्रकशन, नई दिल्ली ➢ मुहूर्तचिन्तामणि, श्रीकृष्णदास प्रकाशन, वाराणसी ➢ ताजिकनीलकण्ठी, सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली ➢ लघु-पराशरी- सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी ➢ मध्य पराशरी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी ➢ नित्यकर्म पूजा प्रकाश, गीताप्रेस गोरखपुर ➢ दुर्गार्चन पद्धति, शिवदत्त मिश्र शास्त्री, ज्योतिष प्रकाशन वाराणसी ➢ यज्ञ मन्त्र संग्रह, शारदा इण्टरप्राइजेज, वाराणसी ➢ पौरोहित्यकर्मप्रशिक्षक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान	**4**	**-**	**100**